II.

Date: 2/2/2022

प्रसार शिक्षण →

प्रसार शिक्षण अत्यन्त मनोवैज्ञानिक ढंग से सम्पन्न शिक्षण पद्धति है जो मानव - व्यवहार पर आधारित एवं कौशल है सीखना एक मानसिक प्रक्रिया है। जिसकी अभिव्यक्ति व्यवहार के सहारे होती है। सीखने के फलस्वरूप हमारे व्यवहार में परिवर्तन या परिमार्जन होता है। सीखने से व्यवहार में जो परिवर्तन आते हैं। विकासोन्मुख दिशा प्रदान करना ही प्रसार शिक्षा का लक्ष्य है।

~~सीख~~ सीखने की क्रिया तथा प्रतिधारण - क्षमता

सीखने की क्रिया को एक अनुभूत स्थिति या मनोदशा कहा गया है। यह व्यक्ति को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रभावित करती है। सीखना - प्रक्रिया में समस्त संवेदन शक्तियों द्वारा प्राप्त अनुभव मनुष्य के ज्ञान स्तर को बढ़ाते हैं। किन्तु यह ~~स~~ तभी सम्भव हो है जब व्यक्ति की सभी ज्ञानेन्द्रियों की एकाग्रता विषय-वस्तु के प्रति समर्पित हो सीखना-क्रिया से सम्बन्धित विभिन्न अनुसंधानों द्वारा यह तथ्य प्रमाणित हो चुका है।

Date: 2/2/2022

औपचारिक शिक्षण तथा प्रसार शिक्षण में अन्तर

औपचारिक शिक्षण बाल एवं युवा - केन्द्रित शिक्षण प्रणाली है, जो बालकों एवं युवाओं को भविष्य में सामाजिक एवं आर्थिक जीवन के प्रतिपालन के निमित्त सक्षम बनाती है। इसका स्वरूप निश्चित होता है तथा समय, सख्त पाठ्यक्रम प्रवेश एवं परीक्षा के नियम तथा कक्षोन्नति से वंचित रह जाते हैं। शिक्षकों को भी एक निश्चित पाठ्यक्रम एवं पद्धति का ही अनुसरण करना पड़ता है वे इसमें कोई परिवर्तन करने के लिए स्वतंत्र नहीं होते हैं

प्रसार शिक्षण पद्धति और अभिप्रेरणा →

प्रसार शिक्षण स्वैच्छिक शिक्षण के सिद्धान्त का पालन करता है। स्वयं की सहायता हेतु स्वेच्छा से शिक्षा ग्रहण करने का कोई भी व्यक्ति तभी जिज्ञासु या प्रयत्नशील होता है जब कोई प्रेरक शक्ति उसे प्रभावित करती है वास्तव में मनुष्य की समस्त क्रियाएँ अभिप्रेरणा द्वारा ही होती हैं

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया